CrPC Juvenile Justice & Probation of Offender's Act - 2013

Note: Answer five questions in all, selecting three questions from Section A and one question each from Section 'B' and Section 'C'. All questions carry equal marks.

Section-A

Q.1. Describe the different Criminal Courts given under the Code of Criminal Procedure.
दण्ड प्रक्रिया संहिता के अन्तर्गत वर्णित विभिन्न दंड-न्यायालयों का वर्णन कीजिए।

Q.2. What is the importance of FIR in a criminal trial? What are the fatal consequences of delay in filing the FIR? Explain.
आपराधिक विचारण में प्रथम सूचना रिपोर्ट का क्या महत्त्व है? इससे विलंब होने पर क्या घातक परिणाम होंगे? समझाइए।

Q.3. Discuss the rules relating to withdrawal of prosecution.
अभियोजन वापस लिए जाने सम्बन्धी नियमों की विवेचना कीजिए।

Q.4. What do you understand by Summary Trial? Describe fully the procedure of Summary trial.
संक्षिप्त विवरण से क्या अभिप्रेत है? इसकी प्रक्रिया का पूर्ण वर्णन कीजिए।

Q.5. Describe fully the provisions relating to attachment of property as contained in the Code of Criminal Procedure.
दंड प्रक्रिया संहिता के अन्तर्गत संपत्ति कुर्क किये जाने संबंधी प्रावधानों की पूर्ण विवेचना कीजिए।

Q.6. Write short notes on any two of the following: (a) Non-compoundable offences, (b) Inquest Report, (c) Mis-joinder of charges
निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए:
(अ) अशमनीय अपराध, (ब) मृत्यु समीक्षा रिपोर्ट, (स) आरोपों का कुसंयोजन

Section-B

Q.7. Define 'Neglected Juvenile'. Discuss the provisions relating to neglected juveniles as contained in the Juvenile Justice (Care & Protection of Children) Act, 2000.

http://www.onlinebu.com

'उपेक्षित किशोर' की परिभाषा दीजिए। उपेक्षित किशोरों के संबंध में बाल-न्याय (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम, 2000 में वर्णित प्रावधानों की विवेचना कीजिए।

Q.8. Discuss the orders that may be passed and orders that cannot be passed under sections 15 and 16 of the Juvenile Justice Act 2000.

बाल-न्याय अधिनियम 2000 की धारा 15 एवं 16 के अन्तर्गत पारित किये जा सकने वाले आदेशों तथा पारित न किये जाने सकने वाले आदेशों की विवेचना कीजिए।

Section-C

Q.9.. Discuss the salient features of the Probation of offenders Act, 1958 and state what is the importance of Pre-sentence Report in the Act?

अपराधी परिवीक्षा अधिनियम, 1958 के प्रमुख लक्षणों की विवेचना कीजिए तथा उल्लेख कीजिए कि दंड-पूर्व रिपोर्ट का इसमें क्या महत्त्व है?

Q.10. Discuss citing relevant decided cases, the judicial trend with regard to release of offenders on probation.

निर्णीत-वादों को उद्धृत करते हुए अपराधियों को परिवीक्षा का लाभ देकर छोड़े जाने के विषय में न्यायिक सुझाव की विवेचना कीजिए।

http://www.onlinebu.com